भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1714
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 10 मार्च, 2025
19 फाल्गुन, 1946 (शक)

भारतीय पुरातत्व और प्राचीन लिपियों में शोध को प्रोत्साहित करना

1714. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की विशेष रूप से महाराष्ट्र के पुरातात्विक स्थलों, जैसे कि दायमाबाद में हड़प्पा कालीन बस्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रतियोगिताएं आयोजित करने या भारत के प्राचीन इतिहास और लिपियों पर शोध को प्रोत्साहित करने संबंधी पहल हेतु राज्य सरकारों के साथ सहयोग करने की योजना है;

(ख) यदि हां, तो वित्तपोषण, संस्थागत सहयोग और सार्वजनिक भागीदारी सहित ऐसी पहलों का ब्यौरा क्या है, और क्या महाराष्ट्र के लिए, विशेष रूप से सांगली जैसे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इसी तरह के शोध प्रयासों की योजना बनाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार भारतीय पुरातत्व और प्राचीन भाषाओं में शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार प्राचीन लिपियों को समझने में विद्वानों, भाषाविदों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों की सहायता करने के लिए राष्ट्रीय शोध अनुदान या चुनौती कोष स्थापित करने की योजना बना रही है, विशेष रूप से महाराष्ट्र जैसे राज्यों में, जहां ऐतिहासिक शोध और संरक्षण की सुदृढ़ परंपरा रही है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पूरे देश में पुरातात्विक अवशेषों का अन्वेषण, उत्खनन और अध्ययन करता है। वर्तमान में ऐसी प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करने का ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) और (घ): भारतीय विरासत संस्थान ने हाल ही में पुरातत्व और पुरालेखविद्या, पुरालेख और मुद्राशास्त्र विभाग की स्थापना की है जिसमें स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की जाती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पुरातत्व में डिप्लोमा में भी पुरालेख एक प्रश्नपत्र के रूप में शामिल है। इसके अतिरिक्त पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान सेवारत कार्मिकों के लिए पुरालेख और मुद्राशास्त्र में अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी करता है।

*****